

एत. im CKDr. = विल्वपेषिका = शुष्कविल्वखण्ड ein trocknes Stück Vilva-Holz. Nach Nieb. Pr. ist विल्वपेषिका die Frucht von Aegle Marmelos. Nach Wils. ist ज्वरापक् Medicago esculenta.

ज्वरितं (von ज्वर) adj. feberisch, feberkrank गाणा तारकादि zu P. 3, 2, 36. Suçr. 2, 409, 7. 412, 2. 5. 1, 32, 3. 111, 2. दीर्घविरुज्वरिताङ्गपष्टि KĀURAP. 6.

ज्वरिन् (wie eben) adj. dass. Suçr. 1, 34, 20. 2, 411, 11. 18.

ज्वल्, ज्वलति (ep. auch med.) Dhātup. 20, 1. 19, 43. ज्ज्वाल, ज्वलिष्यति, ज्ज्वालीत् P. 7, 2, 2. hell brennen, flammen; verbrennen, glühen; leuchten: अग्रयः Çat. Br. 3, 6, 4, 28. 11, 8, 7. 14, 1, 2, 12. 4, 2, 33. TS. 4, 4, 24, 1. Gobh. 4, 8, 10. MBh. 3, 12299. 5, 7005. 7274. Çik. 158. अग्निज्वलते MBh. 1, 3687. ज्ज्वाल लोकस्थितये स राजा यथाधरे वङ्किरभिप्रणीतः BHATT. 1, 4. von Sonne und Gestirnen Suçr. 1, 113, 16. 17. ज्वलन्विवस्वानिव (न्यः) VARĀH. BRH. S. 43(34), 24. 46, 16(17). दीपवर्तिरभ्याधिकं ज्वलति 32, 94. अथ ज्वलति तस्मिन् (वृत्ते) PAÑKĀT. 98, 1. सापि (अथकुटी) तृणाप्राचुर्याज्ज्वलिष्यति 253, 22. तत्सुतास्ते च ज्ज्वलुः । धुन्धोर्मुखाग्निना BHĀG. P. 9, 6, 23. अग्रयमयः शङ्कुज्वलन् M. 8, 271. सूर्मीं ज्वलतीम् 11, 103. वापौर्ज्वलाङ्गिष्वि पद्मिः R. 3, 18, 39. रोषाज्ज्वलन्विव MBh. 1, 6030. brennen von Wunden Suçr. 1, 104, 1. ज्वलमानं पायसम् glühendheiss MBh. 13, 7424. (दीपाः) ज्वलन्ते 4812. सपत्नीनामधि तथा दीपवज्ज्वलते HARIV. 7914. यस्मिन् (गिरौ) अज्वलिषू रात्रौ मकौषधयः BHATT. 13, 106. Kir. 5, 24. श्रिया ज्वलन् ARĀ. 1, 3. 2, 5. ज्वलतीम् — श्रियम् MBh. 13, 509. ज्वलते तेजसा च कः 841. ज्वलितं flammend, glühend, leuchtend H. an. 3, 261. MED. t. 110. अग्निं PAÑKĀT. I, 37. VET. 17, 20. शिखेव चाग्नेर्ज्वलिता ARĀ. 1, 2. विद्युत् VARĀH. BRH. S. 32, 4. अङ्गारं 5. खड्गं 49, 5. अस्त्रं R. 3, 50, 18. रामं ज्वलिततेजसम् R. 3, 10, 1. 1, 39, 10. गन्धर्वाणाम् — सूर्यज्वलिततेजसाम् MBh. 3, 1749. नागाः — ज्वलितास्याः INDR. 1, 6. रजसो ज्वलितामिव KATHĀS. 18, 213. 395. तृणेषु ज्वलितं त्वया im Grase hast du dein Feuer brennen lassen so v. a. du hast leichtes Spiel gehabt MBh. 3, 7089. — = चल् VOP. Vgl. ज्वर्.

— caus. ज्वलयति und ज्ज्वालयति; nach praep. aber angeblich nur ज्वलयति Dhātup. 19, 43. 67. VOP. 18, 23 (vgl. v. l.). in Flammen setzen, anzünden, glühend machen, erleuchten: न दिवा ज्वलयेदग्निम् MBh. 12, 2643. R. 2, 32, 99. KATHĀS. 25, 92. ज्ज्वालयित्वा कुतर्वक्त्रम् R. Gobh. 2, 52, 37. SĀV. 3, 78. अस्त्रेषु ज्ज्वालयत्सु समस्ततः MBh. 8, 8613. तेजो ज्वलयद्भिः KATHĀS. 23, 62. अग्निज्वलिततेजसः M. 7, 90. भेषजं क्षामदेोषय भूयो ज्वलयति ज्वरम् Suçr. 2, 409, 8. धूमं च ज्वलयन् लक्ष्म्या MBh. 3, 10945. प्रकृविमानगणानभितो दिवं ज्वलयतौषधिनेन कृशानुना Kir. 3, 14. नागाः — ज्ज्वालितास्याः MBh. 3, 1749 falsche Lesart für ज्वलित, wie INDR. 1, 6 gelesen wird.

— intens. ज्ज्वालत्यते P. 3, 1, 22, Sch. heftig flammen, stark leuchten, — glänzen: ज्ज्वालत्यनलो मृकान् MBh. 12, 11597. सर्वमेतत्तर्चिर्भिः पूर्णा ज्ज्वालत्यते जगत् 8556. ज्ज्वालत्यमाने कोपिन 4, 738. R. 4, 38, 15. गगनम् — ज्ज्वालत्यमानं तेजोभिः पावकार्कसमप्रभम् MBh. 3, 12913. 13, 4945. त्वियम् । ज्ज्वालत्यमानो वपुषा 1, 3890. 3, 8707. R. 6, 19, 49. 92, 47. एकान्तो ज्ज्वालन्नास्ते MBh. 7, 9620. R. 1, 60, 30. अस्त्रं ज्ज्वालत् MBh. 3, 1659. शृङ्गा ज्ज्वालितस्योच्चैर्महेश्वरशिखामणौः RĀGĀ-TAR. 1, 154.

— अग्निं leuchten: मयादृष्ट्येकं वल्मीके दृष्टं सत्त्वमभिज्वलत् MBh. 3, 10335.

III. Theil

— अथ caus. in Flammen setzen: शौरवज्ज्वालयति KAUC. 47.

— उद् in Flammen herausschlagen, aufflammen: अग्निर्मुखात् Çat. Br. 1, 4, 4, 13. 19. अस्थैतद्दीर्घं शुच्युज्ज्वलति 2, 2, 1, 8. 9, 2, 2, 37. 14, 6, 1, 10. TS. 2, 6, 9, 4. युगात्ताग्निर्विज्ज्वलन् R. 5, 93, 15. कोपाज्ज्वलद्भ्यो चतुर्धाम् BHĀG. P. 7, 2, 2. उज्ज्वलति ved. P. 7, 2, 34. — Vgl. उज्ज्वल fg. — caus. in Flammen setzen, anzünden, erglänzen machen, erleuchten: उज्ज्वलत्य Çat. Br. 14, 3, 4, 2. 5. दीपानुज्ज्वलय RĀGĀ-TAR. 3, 176. 173. ककुभो मुखानि सकृसो-ज्ज्वलयन् Çiç. 9, 42. अज्जनकं लोचने Git. 12, 19. अतःकर्पास्य तदुज्ज्वलितत्वात् KAP. 1, 100.

— प्रौद् hell aufglänzen, stark leuchten: प्रोज्ज्वलत्काङ्गापुत् HARIV. 15696.

— समुद् dass.: समुज्ज्वलद्वास्करपावकाभि MBh. 8, 1715.

— उप caus. अनुज्ज्वलितं nicht angezündet Çat. Br. 11, 8, 2, 7.

— प्र in Flammen gerathen, zu brennen anfangen, aufflammen, zu leuchten beginnen, aufglänzen: स समुद् उतर्ततः प्राज्ज्वलद्भूम्यत्नेन TBa. 1, 5, 10, 1. प्राज्ज्वलीत् (v. l. प्राज्वलीत्, welche Form ÇAÑK. für die normale ansieht!) KHĀND. UP. 6, 7, 6. प्रज्ज्वाल ततः कोपाद्गवान्कृष्यवाहनः MBh. 2, 1135. प्रज्वलते न सः (अग्निः) 1132. प्रज्वलत्तमिवानलम् R. 3, 18, 23. Sū-  
JAS. 11, 16. शृङ्गा प्रज्वलमानेषु अग्निषु INDR. 5, 26. प्रज्ज्वाल समस्ततः(वृत्तः) MBh. 1, 1770. 3, 885. R. 1, 56, 19. 3, 73, 51. 6, 92, 56. उर्णाप्रचुरो ऽयं मेषः स्वल्पेनापि वङ्किना प्रज्वलिष्यति PAÑKĀT. 253, 20. प्रज्वलत्सु मणिदीपेषु DAÇAK. in BENF. Chr. 198, 15. तेषाम् क्रोधः प्रज्ज्वाल DRAUP. 6, 28. प्रज्ज्वलत्वेव मन्युना MBh. 3, 2397. RĀGĀ-TAR. 3, 509. भूयः प्रज्ज्वाल विलापमेतं निशम्य रामः करुणाम् R. 2, 21, 53. केतुयताकच्छत्रवज्रविषाणानि प्रज्वलन्ति ADBB. Br. in Ind. St. 1, 41. सूर्या यत्र च सौवर्णास्त्रयो भासति दंशिताः । तेजसा प्रज्वलतो हि कस्यैतद्भुतमम ॥ MBh. 4, 1328. प्रज्ज्वाल नभः 3, 7287. दिशः सर्वाः प्रज्ज्वलुः BHĀG. P. 3, 17, 4. यदचेतना ऽपि पदिः स्पृष्टः प्रज्वलति सवितुरतिक्रांतः BHARTĀ, 2, 30. रणाङ्गानि प्रज्ज्वलुः BHATT. 14, 98. प्रज्वलितं in Flammen stehend, brennend, leuchtend: अथ प्रज्वलितस्तत्र सकृसा कृष्यवाहनः MBh. 3, 2934. R. 3, 53, 54. प्रज्वलितामिवोत्काम् MBh. 5, 7205. प्रज्वलितैर्वापौः ARĀ. 3, 35. दिशः प्रज्वलिता इव Suçr. 1, 22, 13. ततस्तेजः प्रज्वलितमपश्यम् HARIV. 9746. कोपप्रज्वलितात्तमन् PAÑKĀT. 55, 10. राधवः प्रज्वलितस्तया श्रिया R. 2, 25, 45. प्रज्वलिते नाम्नि. अग्नी wenn es hell brennt LĀTJ. 4, 10, 4. 8, 8, 37. — caus. anzünden, in Flammen setzen: प्रज्वलयेयुः (अग्निम्) LĀTJ. 9, 7, 15. अग्नीन्प्रज्वलयत् AÇV. GṆH. 4, 4. MBh. 1, 7137. 4, 783. 9, 2329. Suçr. 1, 374, 10. VARĀH. BRH. S. 53, 114. MĀRK. P. 21, 62. ते (अङ्गारं) तृणैरुपसमाधाय प्राज्वलयत् (sic) प्रज्ज्वालयेत् ÇAÑK. KHĀND. UP. 6, 7, 5. काष्ठानि प्रज्ज्वाल्य R. 2, 47, 8. प्रज्ज्वाल्यतो प्रदीपिकाः MRĀKĪH. 25, 17. दिशः प्रज्ज्वालयन्विव MBh. 3, 17078. 7, 3996. HARIV. 888. R. 6, 87, 25. क्रोधं प्रज्ज्वालयति HARIV. 10285. partic.: वने प्रज्वलितो वङ्किर्दकूमूलानि रजति PAÑKĀT. III, 253. दीपे प्रज्वलिते प्रणश्यति तमः I, 373. — buddh. aufklären: अकृमपि तानेवैकोत्तरिको विमृष्टय्यां प्रज्ज्वालयामि BURN. Intr. 49.

— अग्निं प्र in Flammen gerathen: क्रोधेनाभिप्रज्ज्वाल दिधत्तन्विव पावकः MBh. 6, 4188. 4086.

— संप्र dass.: संप्रज्वल (अग्ने) MBh. 1, 8206. ततो ऽग्निः संप्रज्ज्वाल R. 6, 96, 17. स (यवनः) दृष्टमात्रः क्रुद्धेन संप्रज्ज्वाल सर्वतः HARIV. 6475. महैर्जुत श्वार्चिष्मान्संप्रज्ज्वाल तेजसा 13256. संप्रज्वलति सा (तृष्णा) भूयः समिद्धि-